Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 33–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 13, 2024 (SRAVANA 22, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 30 जुलाई, 2024

संख्या 12/250–बावडी नारनौल/2024/पुरा/2737–2744.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ, जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
बावडी नारनौल 17वीं शताब्दी पूर्व	बावडी नारनौल 17वीं शताब्दी पूर्व	नारनौल	महेन्द्रगढ़	4726/2 4727/2	80 X 80 (मीटर) (कोई राजस्व रिकार्ड उपलब्ध नहीं है)	पंजाब वक्फ बोर्ड, अम्बाला	यह बावडी नारनौल शहर के बाहरी क्षेत्र में बाबा खेता नाथ राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय के परिसर के अंदर स्थित है। यह तीन मंजिला स्मारक वास्तव में एक बावड़ी है, जिसकी एक भूगर्भ मंजिल है। एक तरफ सीढ़ियाँ हैं, जो इसके तल तक जाती हैं और सम्भवतः एक दीवार द्वारा दूसरी ओर स्थित कुएं से अलग की गई है।

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील / जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा / किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							इस स्मारक के बारे में सबसे उल्लेखनीय बात इसकी दीवारों पर लिखी बातें हैं, जो उन लोगों द्वारा लिखी गई प्रतीत होती है, जो शायद अपनी यात्राओं के दौरान यहां रुके थे।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 30th July, 2024

No. 12/250-Baoli Narnaul-2024/Pura/2737-2744.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected monuments and archaeological sites and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	**Name of archaeological sites and remains**	**Name of village/ city**	**Name of tehsil / district.**	**Revenue Khasra/ Kila number under protection.**	**Area to be protected**	**Ownership**	**Remarks**
1	2	3	4	5	6	7	8
Baoli at Narnaul, 17th Century CE	Baoli at Narnaul, 17th Century CE	Narnaul	Mahendergarh	4726/2 4727/2	80 X 80 (meter) (no revenue record available)	Punjab Waqf Board, Ambala	This baoli is situated on the outskirts of city of Narnaul, inside the premises of Baba Kheta Nath Government Polytechnic College. This three storeyed monument is actually a step-well, with one floor at sub-ground level. There are stairs at one side that go all the way to the bottom and are perhaps separated by a wall from a well on its other end. The most remarkable thing about this monument are the writings on its walls which seem to have been written by people who had perhaps stayed here, during their journeys.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11222—C.S.—H.G.P., Pkl.